THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (d) The estimated Internal & Extra Budgetary Resource generation by the PSUs under the Ministry of Steel (on current prices) during Eighth Five Year Plan and Ninth Five Year Plan are indicated below:

(Rs. in crores)

		8th Plan (Anticipated)	9th Plan (Projected)	Increase (%age)
1.	Internal Resources	5150.30	9543.50	85
2.	Bonds/Debentures/ market borrowings	2575.00	5099.00	
3.	ECB/Suppliers Credit	1432.93	1036.00	15
4.	Others	4599.16	3794.50	
	Total:	13757.39	19473.00	41.5

The Ninth Five Year Plan proposals of this Ministry are yet to be approved by the Government.

इस्पात उद्योग को उत्पाद शुल्क में रियायत

3152. **श्री रामजीलाल:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री ने इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उत्पाद-शुल्क में कुछ रियायतें देने का वचन दिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस्पात उद्योग पर इसका क्या प्रभाव होगा और इससे उद्योग को किस हद तक बढ़ावा मिलेगा; और

(घ) इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य): (क) वित्त मंत्री ने 1997-98 के बजट में लोहे और इस्पात पर उत्पाद शुल्क में कोई परिवर्तन प्रस्तावित नही किया है।

(ख) से (घ) उपरोक्त (क) को मद्देनजर रखते हुए प्रश्न नही उठता।

Mechanisation of Kuteshwar Mines

3153. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether there is any proposal for Departmental Mechanisation of Kuteshwar Mines R.M.D., SAIL, under consideration; and

(b) if so, details thereof?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) and (b) SAIL's corporate plan envisages development of Kuteshwar limestone mine to produce 3.0 million tonnes per annum. A Feasibility Study was commenced which recommended departmental mechanisation of Kuteshwar Mine in two phases. Phase I of the project is for processing of 7.0 lakh tonnes of run-of-mine to yield about 5 lakh tonnes of limestone, and Phase II is for mechanisation of Kuteshwar Mine to the capacity of 3.0 million tonnes per annum.

Phase I has since been sanctioned.

त्रिपुरा और गुजरात में इस्पात संयंत्र

3154. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान और अब तक त्रिपुरा और गुजरात सरकार से नये इस्पात संयंत्रों को लाइसेंस जारी करने और उनके विस्तार हेतु प्राप्त आवेदनों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन दो श्रेणियों के अंतर्गत अलग-अलग कितने आवेदन स्वीकृत किए गए;

(ग) इनमें से कितने आवेदन लंबित हैं और इसके क्या कारण है; और

(घ) लंबित आवेदनों के कब तक निपटा दिए जाने की संभावना है?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य): (क) पिछले दो वर्षों के दौरान केन्द्र सरकार को त्रिपुरा और गुजरात सरकार से नए इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए उन्हें लाईसेंस जारी करने अथवा विस्तार करने के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

(ख) से (घ) उपरोक्त (क) को मद्देनजर रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर

3155. **श्री महेश्वर सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भिलाई इस्पात संयंत्र के आशुलिपिकों और अन्य कर्मचारियों के लिए एक अल्पकालिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया गया था ताकि कर्मचारियों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा सके और आशुलिपिक द्विभाषी निपुणता प्राप्त कर सकें;